भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4137

जिसका उत्तर 19.12.2024 को दिया जाना है

हिंगोली में सड़क विकास परियोजनाएं

4137. श्री नागेश बापुराव अष्टिकर पाटिल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हिंगोली निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों की प्रस्तावित/निर्माणाधीन सड़क विकास परियोजनाओं की प्रगति सहित, वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या चालू वित्तीय वर्ष के दौरान हिंगोली में सड़कों के सुधार या विस्तार के लिए कोई धनराशि आवंटित की गई है और यदि हां, तो कितनी राशि आवंटित की गई है और इनके पूरा होने की समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या हिंगोली और औरंगाबाद, नांदेड़ और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों के बीच सड़क कनेक्टिविटी में सुधार करने और हिंगोली जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधा बढ़ाने के लिए कोई विशेष योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) हिंगोली में सड़क सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए उठाए जा रहे कदम, जिसमें निर्वाचन क्षेत्र से गुजरने वाले प्रमुख राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को कम करने के उपाय और यातायात सिग्न, सड़क डिवाइडर और पैदल यात्री क्रॉसिंग जैसी सुरक्षा सुविधाओं का निर्माण शामिल है, का ब्यौरा क्या है; और

(ङ.) प्रमुख शहरों और अन्य जिलों के साथ कनेक्टिविटी में सुधार के लिए हिंगोली में नई सड़कों, फ्लाईओवरों या पुलों के निर्माण के लिए क्या योजना है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय मुख्य रूप से देश में राष्ट्रीय राजमार्गों (रारा) के विकास और रखरखाव से संबंधित है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और रखरखाव एक सतत प्रक्रिया है और राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रखरखाव के लिए कार्य यातायात आवश्यकताओं, परस्पर प्राथमिकता और निधियों की समग्र उपलब्धता के आधार पर स्वीकृत किए जाते हैं। वर्तमान में, हिंगोली संसदीय क्षेत्र में 106 किलोमीटर लंबाई और 606 करोड़ रुपये की लागत वाली 3 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं।

हिंगोली संसदीय क्षेत्र सहित महाराष्ट्र राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए चालू वर्ष में 11,887 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। हिंगोली संसदीय क्षेत्र में चल रही सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं जून, 2025 में पूरी होने की संशोधित निर्धारित तिथि के साथ कार्यान्वयन में हैं।

इन रारा परियोजनाओं के निर्माण से हिंगोली और औरंगाबाद, नांदेड़ और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों के बीच बेहतर संपर्कता के साथ यातायात का सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा और साथ ही हिंगोली जिले के ग्रामीण क्षेत्रों

में परिवहन पहुंच में भी सुधार होगा। इससे सड़क प्रयोक्ताओं की सुरक्षा में वृद्धि के साथ यात्रा के समय और वाहन परिचालन लागत में भी कमी आएगी।

(घ) हिंगोली संसदीय क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना की पहचान वाले स्थानों पर सड़क चिह्नों, संकेतक चिह्नों, क्रैश बैरियरों, ऊंचे फुटपाथ चिह्नों, परिसीमनकर्ताओं, मध्यवर्ती स्थानों को बंद करने, यातायात को नियंत्रित करने के उपायों, निर्मित क्षेत्रों में फुटपाथ और पैदल यात्री क्रॉसिंग प्रावधान आदि जैसे तत्काल अल्पकालिक उपाय किए गए हैं, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इसके अतिरिक्त, सड़क प्रयोक्ताओं की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क ज्यामितीय सुधार, जंक्शन सुधार, कैरिजवे का स्थान-स्थान पर चौड़ीकरण, फुट ओवर ब्रिज, अंडरपास/ओवरपास का निर्माण आदि सहित दीर्घकालिक सुधार उपाय भी किए गए हैं।

(ङ) राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण, जिसमें बाईपास, फ्लाईओवर और पुलों के पुनर्निर्माण की आवश्यकता का आकलन यातायात आवश्यकताओं, उपलब्ध मार्गाधिकार (आरओडब्ल्यू), शहरी/निर्मित खंडों में भीड़भाड़, पुलों सहित क्रॉस-ड्रेनेज कार्यों की कार्यात्मक आवश्यकता, मौजूदा पुलों की वर्तमान सेवाक्षमता स्थिति, सड़क सुरक्षा संबंधी विचार आदि के अनुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करते समय मामले दर मामले आधार पर किया जाता है और हिंगोली संसदीय क्षेत्र में कार्यों सहित राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों की स्वीकृत डीपीआर में प्रावधान किया जाता है।

*****